Date
21/04/2020

Subject - Gender, School and Society

B.Ed. 2nd year

Topic - CONFLICTS
(संघर्ष)

Period - 4th

संघर्ष का शाब्दिक अर्थ

संघर्ष का सामान्य अर्थ है - द्वन्द। जब व्यक्ति के मन मस्तिष्क मे किन्ही दो विरोधी लक्ष्यो या विचारो के बीच चलता है तो व्यक्ति की इस मानसिक स्थिति को मानसिक संघर्ष या मानसिक द्वन्द कहते है। संघर्ष की स्थिति मे व्यक्ति मे संवेगात्मक तनाव उत्पन्न हो जाता है तथा वह कुछ भी निर्णय नही ले पाता जबकि संघर्ष के कारण ही व्यक्तित्व का विकास होता है। दूसरे शब्दो मे, दो या दो से अधिक इच्छाएँ या आवश्यकताएँ व्यक्ति मे उत्पन्न हो तथा एक की पूर्ति दूसरे की पूर्ति मे बाधा उत्पन्न करे तो ऐसी अवस्था को संघर्ष कहते है।

संघर्ष की परिभाषाएँ

① ब्राउन के अनुसार - "संघर्ष वह अवस्था है जब दो इच्छाएं इतनी विरोधी होती है कि एक-दूसरे की तृप्ति मे बाधा उत्पन्न कर सकती है।

② बोरिंग लैंगफील्ड एवं वेल्ड के अनुसार - "संघर्ष एक ऐसी अवस्था है जिसमे दो या दो से अधिक प्रेरणाएँ उत्पन्न हो जाती है। जिनकी एक साथ तृप्ति करना सम्भव नही है।"

उपरोक्त परिभाषाओं के विश्लेषण पर तीन मुख्य बाते सामने आती है -

(1) संघर्ष एक तनावपूर्ण स्थिति है।

(2) संघर्ष का जन्म तब होता है जब दो विपरीत इच्छाएँ एक साथ उत्पन्न हो।

(3) ये इच्छाएँ एक दूसरे की विरोधी होती है।

Scanned with CamScanner

संघर्ष के आयाम

भूमिका संघर्ष :- सौकर्ड तथा बैकमैन (1974) के अनुसार "भूमिका संघर्ष वह स्थिति है जो तब उत्पन्न होती है जब अभिनेता की एक प्रत्याशा का अपेक्षित व्यवहार उसकी दूसरी प्रत्याशा के अपेक्षित व्यवहार से कुछ अंशो मे परस्पर विरोधी होता है"

संघर्ष के आयाम :- संघर्ष के मुख्यत: दो आयाम है।

(i) सामाजिक संघर्ष (Social Conflicts)

(ii) भावात्मक संघर्ष (Emotional Conflicts)

सामाजिक संघर्ष

गीलिन एण्ड गीलिन के अनुसार - "सामाजिक संघर्ष वह सामाजिक प्रक्रिया है जिसमे कई व्यक्ति या समूह अपने प्रतिद्वन्दी पर हिंसा करके या हिंसा की धमकी देकर अपने उद्देश्यो को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।"

सामाजिक संघर्ष के दो प्रकार है - (i) वास्तविक संघर्ष
(ii) मूल संघर्ष

वर्तमान समूह परिस्थिति मे घटित संघर्ष को वास्तविक संघर्ष कहते है तथा बचपन से निष्क्रिय स्थिति मे विद्यमान संघर्ष को मूल संघर्ष कहते है।

Scanned with CamScanner

सामाजिक संघर्ष की विशेषताएँ :-

1. सामाजिक संघर्ष एक सामाजिक घटना है -
2. लक्ष्य से सम्बन्धित होता है -
3. सामाजिक संघर्ष का आधार प्रतिरोध होता है -
4. सामाजिक संघर्ष मे तनाव पाया जाता है -

सामाजिक संघर्ष के कारण या कारक

(1.) दोषपूर्ण पालन पोषण करना (2.) धार्मिक विश्वास
(3.) राष्ट्रीय सम्पत्ति का असमान वितरण (4.) दोषपूर्ण सामाजिक ढाँचा
(5.) सांस्कृतिक विभिन्नताएँ (6.) निराशा

सामाजिक संघर्ष के समाधान के उपाय :-

1. उचित अनौपचारिक शिक्षा
2. सामाजिक ढाँचा परिवर्तन
3. राष्ट्रीय सम्पत्ति का समान वितरण

उपरोक्त कार्य ही सामाजिक संघर्ष के समाधान के उपाय है।

Complete..

Sudhi Tyagi
21/04/2020

Scanned with CamScanner